पाठ 8: भविष्यवाणी संबंधी लेखों की व्याख्या करना

क. **यीशु द्वारा कराए गए बाइबल अध्ययनों से सीखना**

1. डॉ. लूका इम्माऊस के मार्ग पर यीशु द्वारा कराए गए एक अद्‌भुत बाइबल अध्ययन की कहानी दर्ज करता है। लूका 24:13-27
2. यीशु द्वारा प्रस्तुत बाइबल अध्ययन के प्रति इन दोनों शिष्यों ने कैसी प्रतिक्रिया दी? लूका 24:31-32
3. उसी दिन बाद में, यीशु यरूशलेम में शिष्यों से मिला। लूका 24:44-45
4. यीशु द्वारा कराए गए इन दोनों बाइबल अध्ययनों से हम कौन-से महत्वपूर्ण सबक सीख सकते हैं?

ख. **भविष्यवाणी संबंधी लेखों की व्याख्या करने के सिद्धांत**

1. बाइबल को संपूर्ण रूप में देखें। 2 तीमुथियुस 3:14-17
2. याद रखें कि मसीह पूरे पवित्रशास्त्र का केंद्रीय व्यक्तित्व है। यूहन्ना 5:39-40 (लूका 24:27)
3. संदर्भ पर ध्यान दें।
   a. दानिय्येल 2:31-35 के बाद दानिय्येल 2:36-45 में उसकी व्याख्या दी गई है।
   b. मत्ती 13:1-9 में दर्ज यीशु के दृष्टांत के बाद मत्ती 13:18-23 में उसकी व्याख्या दी गई है।
4. अन्य भविष्यद्वक्ताओं को पहले की भविष्यवाणी की व्याख्या करने दें।
   a. यशायाह 7:14, मत्ती 1:18-23
   b. यशायाह 9:1-2, मत्ती 4:12-16
   c. यिर्मयाह 25:11-13, 2 इतिहास 36:22-23
   d. अन्य उदाहरण?
5. ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ पर विचार करें।
   a. 1 कुरिन्थियों 16:20 कुरिन्थुस के मसीही लोगों के लिए प्रेरित पौलुस की इस अपील का सांस्कृतिक संदर्भ क्या था? आज हमें इस कथन को अपने जीवन में कैसे लागू करना चाहिए?
   b. 1 कुरिन्थियों 14:34 इस अपील का सांस्कृतिक संदर्भ क्या था? आज हमें इस कथन को अपने जीवन में कैसे लागू करना चाहिए?
6. पवित्रशास्त्र की तुलना पवित्रशास्त्र से करें।
   a. उत्पत्ति 2:16-17, उत्पत्ति 3:1-5 में शैतान के झूठ को कैसे उजागर करता है?
   b. जब शैतान ने यीशु को मंदिर के शिखर से कूदने के लिए उकसाते हुए पवित्रशास्त्र का गलत उपयोग किया, तो यीशु ने क्या उत्तर दिया? मत्ती 4:5-7 (व्यवस्थाविवरण 6:16)
   c. मत्ती 5:48 की तुलना लूका 6:36 से करने पर कौन-सा सत्य प्रकट होता है?
   d. अय्यूब 14:14 में अय्यूब द्वारा पूछे गए प्रश्न का उत्तर यीशु कैसे देता है? यूहन्ना 5:28-29, 6:40, 11:25-26

ग. **ईश्वरीय मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना करना**

1. भविष्यवाणी संबंधी लेखों की सही व्याख्या करने में कौन हमारी सहायता कर सकता है? यूहन्ना 16:13-15, लूका 11:13
2. ऐसा कोई अवसर बताइए, जब आपने अनुभव किया कि पवित्र आत्मा परमेश्वर के वचन को और अधिक स्पष्ट रूप से समझने में आपकी सहायता कर रहा था।